विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा-5 तिथि-07/06/2020

विषय- संस्कृत

सुप्रभात बच्चों,

आज संस्कृत व्याकरण के चतुर्थ पाठ अकारांत नपुंसकलिंग शब्द के बारे में विस्तार से समझेंगे।

चतुर्थः पाठः

अकारांत नपुंसकलिंग शब्द

***अकारांत नपुंसकलिंग**- 'अ' से अंत होने वाले वे शब्द जो न तो स्त्रीलिंग के अंतर्गत आते हैं और न ही पुल्लिंग के अंतर्गत आते हैं, वे अकारांत नपुंसकलिंग शब्द कहलाते हैं।

जैसे- मित्र, पुस्तक ,कमल ,पत्र इत्यादि।

***अकारांत नपुंसकलिंग शब्द के तीनों वचनों के उदाहरण निम्नलिखित है:-**

एकवचन	**द्विवचन**	**बहुवचन**
फलम्	फले	फलानि

(एक फल)	(दो फल)	(बहुत- से फल)
पत्रम्	पत्रे	पत्राणि
(एक पत्ता)	(दो पत्ता)	(बहुत- से पत्ते)
छात्रम्	छत्रे	छत्राणि
(एक छाता)	(दो छाता)	(बहुत-से छाता)
खनित्रम्	खनित्रे	खनित्राणि
(एक कुदाल)	(दो कुदाल)	(बहुत-से कुदाल)
जलयानम्	जलयाने	जलयानानि
(एक जलयान)	(दो जलयान)	(बहुत से जलयान)

क. <u>प्रश्नों के उत्तर दें</u>

1.नपुंसकलिंग शब्द किसे कहते हैं?

2. अकारांत नपुंसकलिंग शब्द क्या है?

ख.तीनो वचन लिखे:

फलम्

जलम्

उटजम्

रूप्यकम्

हलम्

Subject teacher-Sumita Kumari